Re: G-20 meeting in India

श्री रतन लाल कटारिया (अम्बाला): भारत के लिए गौरव की बात है कि भारत को विश्व के सबसे शक्तिशाली जी-20 की अध्यक्षता प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भारत के लोकतंत्र का यह मंदिर यानि कि संसद निश्चित तौर पर जी-20 देशों की अध्यक्षता करते हुए अपनी उपलब्धियों को विश्व के साथ साझा कर सकता है। हम सब भारत की संसद के सदस्यगण भारत की विविधता और अनेकता में एकता के संदेश को प्रसारित कर सकते हैं। भारत का कोविड प्रबंधन विश्व के लिए अनुकरणीय रहा है, और विश्व की सभी संस्थाओं ने भारत की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। Covid-19 महामारी के दौरान भारत ने, न केवल अपने प्रबंधन को बेहतरीन रखा, बल्कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न आपूर्ति भी की है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने बाली (इंडोनेशिया) में हुए जी-20 अधिवेशन के दौरान निभाई गई भारत की भूमिका के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा की है, और सभी देशों ने भारत के प्रधानमंत्री जी के इस संदेश की सराहना की है कि यह वक्त युद्ध का नहीं बल्कि शांति का है।

भारत की यह महान संसद G-20 के सम्मेलन को सफल बनाने के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध, एशिया में चीन के आक्रमक तेवर, विश्व में बढ़ती हुई महंगाई, भारत का जलवायु परिवर्तन व पर्यावरण संरक्षण का अभियान, यूपीआई के माध्यम से भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति, ग्रामीण भारत में हाई स्पीड इंटरनेट, भारत में डिजिटल साक्षरता अभियान, DBT के माध्यम से लीकेज पर लगाम लगाकर भ्रष्टाचार को खत्म करना, फर्जी लाभार्थियों का सफाया करना, भारत की टेक्नोलॉजी का भारत में नई शक्ति के रूप में उभरना, भारत के यूनिकॉर्न में जबरदस्त वृद्धि होना, भारत में आई व्यापार करने की सुगमता से कारोबार को पंख लगना व सुधार की दिशा में बढ़ते कदम आदि कुछ ऐसे विषय हैं, जिन पर भारत की संसद चर्चा करके वर्ष 2023 में होने वाले G-20 सम्मेलन को सार्थक बना सकते हैं। आज भारत खाद्यान्न, ईंधन व आर्थिक असमानता व एसडीजी (SDG) पर चर्चा करके सार्थक पहल कर सकता है। प्रधानमंत्री जी ने पहले ही सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस दिशा में सार्थक कदम उठाए हैं।

मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि भारत में G-20 की हो रही बैठक की सफलता के लिए उठाए गए कदमों के बारे में अवगत करायें।